वर्ष १ । अंक ३८ । २०७२ फागुन ११ गते मंगलदिन 23 Feb. 2016 पृष्ठ ६ मोल रू.५/-

मैथिली आ नेपाली भाषा में

दूधमती साप्ताहिक DOODHMATI WEEKLY

रमौलवाली सिखौलक स्क्रीप्टिङ्ग

५



जनकपुरको रेल्वे प्लेटफर्म तरकारी बजारमा परिणत

दूधमती समाचारदाता
जनकपुरधाम



जनकपुरको रेल्वे प्लेटफर्ममा तरकारी बजार लगाइएको छ। रेल्वेकै कर्मचारीहरुको पहलमा सो तरकारी बजार लगाइएको स्थानीय व्यवसायीहरु बताउँछन।

पहिला हनुमान मन्दिरभन्दा पश्चिम पट्टि सो बजार लगाउने गरिन्थ्यो। तर रेल सेवा सुचारु हुनुमा ढिलो भइरहेको मौका छोपी प्लेटफर्ममा बजार लगाउने कार्य भइरहेको छ।

प्लेटफर्ममा बजार लगाउन थालेपछि सो स्थल फोहोर पनि भएको छ। रेल्वेलाई महिनाको ५० हजार रुपैया यस वापत राजश्व उठ्ने गरेको छ। पहिला पनि रेल्वेकै जग्गामा तरकारी बजार लगाइन्थ्यो। सोही पैसामा प्लेटफर्मको पनि उपयोग गर्ने गरिएको छ।

नेपाल रेल्वेका प्रमुख तुला बहादुर दांगीले रेलको कार्य जनकपुरमा बढेसंगै बजारलाई हटाइने जानकारी दिनुभयो। पहिलेकै ठाउँमा बजार ठीक हुँदापनि प्लेटफर्मलाई किन फोहोर बनाउने कार्य गरिएको यसको उत्तर उहाँले दिन सक्नु भएन। सार्वजनिक सम्पतिको कसरी दुरुपयोग भइरहेको यसको उदाहरण जनकपुरको प्लेटफर्म बनेको छ। कतिजनाले प्लेटफर्मबाट बजारलाई हटाउन माँग समेत गरेका छन।

जनकपुरलाई लोडसेडिङ्ग मुक्त गर्न माँग

दूधमती समाचारदाता
जनकपुरधाम

ढल्केवर मुज्जफरपुर अन्तरदेशीय प्रसारण लाइन हुँदै ८० मेगावाट विजुली भारत सरकारले नेपाललाई दिएपछि जनकपुरलाई पनि यसको फाइदा हुनुपर्ने माँग जोडका साथ उठ्न थालेको छ। जनकपुरलाई लोडसेडिङ्ग मुक्त गर्न जनकपुर उद्योग वाणिज्य संघका अध्यक्ष शिवशंकर साह हिराले माँग गरेको एक हप्ता नबित्दै गैरराजनीतिक संस्थाका प्रतिनिधिहरुले पनि माँग गरेका छन।









कुनै जिल्ला भएर लाइन जाँदा त्यो जिल्लालाई लोडसेडिङ्ग मुक्त गरिने परम्परा नेपालमा देखिएको छ। यो परम्परा पहाडी जिल्लामा मात्रै किन मधेश अधिकार संघर्ष

बाँकी पृष्ठ २मा

जानकी मन्दिरको जमीनमा नर्सिंग होम बनाउने कार्य रोकिएन

दूधमती समाचारदाता
जनकपुरधाम



जानकी मन्दिरको पछाडिमा रहेको फुलबारीको जमीनमा नर्सिंग होम बनाउने कार्य अहिले सम्म रोकिएको छैन। संयुक्त लोकतान्त्रिक मधेशी मोर्चाले सो जमीनमा कुनै प्रकारको निर्माण कार्य नगर्न चेतावनी दिएको थियो। मोर्चाले तालावन्दी समेत गरेको थियो। तर आन्दोलनको स्वरुप परिवर्तन हुनासाथ रामजानकी नर्सिंग होमले बोर्ड समेत झुण्डाएको छ। जनकपुर नगरमा कुनै पनि निर्माण कार्य शुरु गर्दा उपमहानगरपालिका संग अनुमती लिने प्रावधान रहेको छ। सो प्रावधानलाई पनि नर्सिंग होमका सञ्चालकले लत्याएका छन। नगरपालकिाका अधिकारीहरु पनि मौन देखिएका छन।

धनुषाका २१ प्रतिशत बालबालिका अझै विद्यालय बाहिर

दूधमती समाचारदाता
जनकपुरधाम

नेपाल सरकारले सबैका लागि शिक्षा मूल नाराका साथ विद्यालय बाहिर रहेका बालबालिकालाई विद्यालयमा ल्याउन विभिन्न आकर्षक कार्यक्रमहरु ल्याए पनि धनुषा जिल्लाको भारतीय सीमासँग जोडिएको क्षेत्रका बालबालिकाहरुलाई आकर्षित गर्न सकेको छैन।

जिल्ला शिक्षा कार्यालय धनुषाको पछिल्लो तथ्यांक अनुसार जिल्लामा अहिले पनि २१ प्रतिशत बालबालिका विद्यालय बाहिर रहेका छन।

विद्यालय बाहिर रहेका बालबालिकालाई विद्यालयमा ल्याउन भर्ना अभियान लगायतको आकर्षक कार्यक्रमहरु जिल्लामा प्रभावकारी रुपमा सञ्चालन गरिए पनि दक्षिणवर्ती सीमा क्षेत्रका विद्यालय बाहिर रहेका बालबालिकालाई आकर्षित गर्न नसकेको जिल्ला शिक्षा कार्यालय धनुषाका सहायक जिल्ला शिक्षा अधिकारी दानीकान्त बताउनु हुन्छ।

उँहाका अनुसार विद्यालय बाहिर रहेका २१ प्रतिशत बालबालिका मध्ये सबै भन्दा बढी सीमावर्ती क्षेत्रको अवस्था दयनिय रहेको तथ्यांकले देखाएको छ।

भारतसँग जोडिएको सीमावर्ती क्षेत्रको देउरी परबाहा, धनौजी, दूहबी गोबराही,झटियाही, औरही, माचीझिटकैया, यदुकोहा धवौली, मडान, बनरझुल्ला, खजुरी चन्हा, महुवा खेसाहा,बल्हा गोठ, बलहा कठाल,सघारा, ईनर्वा, पत्नुका लक्करसहितका क्षेत्रमा अझै पनि विद्यालय जान उमेर पुगेका धेरै विद्यार्थी विद्यालय पहुँचबाट बाहिर रहेका छन।

बाहिर रहेका बालबालिकालाई विद्यालयमा ल्याउन नेपाल सरकारले, दलित छात्रवृत्ति, महिला छात्रवृत्ति, अपाङ छात्रवृत्ति लगायतको आकर्षक कार्यक्रम ल्याउ पनि ती क्षेत्रका अभिभावकहरुको आर्थिक अवस्था, सामाजिक वातावरण जस्ता कारणहरुले सफलता पाउन नसकेको सरकोकारबालाहरुले दाबी गर्दै आएका छन।

सहायक शिक्षा अधिकारी झा छात्रवृत्ति पाएपछि विद्यालय छाड्ने गरेको हुनाले बाहिर रहेको बालिकाको प्रतिशतमा उल्लेख्य कमि आउन नसकेको बताउनु हुन्छ। विद्यालय निरीक्षक राजदेव यादव सामाजिक वातावरण र अभिभावकहरुको आर्थिक अवस्थानै यस्तो अवस्था निम्तिनुको मूख्य जिम्मेवार रहेको बताउनु हुन्छ।

राजमार्ग क्षेत्रमा जनचेतनामा व्यापकता आएकोले ती क्षेत्रका ९० प्रतिशत बालबालिका विद्यालय पुगेपनि सीमावर्ती

बाँकी पृष्ठ ६मा

आब विवाहकार्डमे मैथिलीए मैथिली



प्रमोद चौधरी

किछु वर्ष पूर्वधरि विवाह, उपनयन वा शुभकामना कार्ड छपाबएकेँ होइक तऽ मैथिलीक बात करब अपराधे जकाँ लगैत छल। हमरा प्रेसमे होइक वा जनकपुरक अन्य अपसेट वा लेटरप्रेस सभ ठाम नेपाली वा हिन्दीमे लोक कार्ड छपाबए लेल अबैत छल।

मैथिलीमे कार्ड छपाबए लेल कहैत छलहुँ तऽ किछु गोटे एतेकधरि प्रतिक्रिया दऽ दैत छलथि जे किछु देरक लेल मोन विचलित भऽ जाइत छल। मुदा मैथिलीप्रति सहानुभूति राखएबला सेहो कम नहि छल। जकर परिणाम मैथिली मैथिली होएब रहल अछि।

अभियान कोना चलल

मिथिला मैथिलीसँ हमरा शुरुएसँ लगाब छल। मैथिलीक बरिष्ठ साहित्यकार डा. धीरेन्द्र, बरिष्ठ नाटककार महेन्द्र मलंगिया आ मिथिला नाट्य कला परिषदक संस्थापक योगेन्द्र साह नेपाली मैथिलीमे विवाह, उपनयनकेँ निमन्त्रण कार्ड छपाओल जाए ताहि लऽ कऽ अभियान शुरु कएने रहथि। ई अभियान हमरो नीक लागल छल। जखन राम चौक पर हमर सभक युनियन प्रेस खुजल तऽ हमहुँ प्रण कएलहुँ ई अभियानकेँ आगा बढाओल जाए आ एखनधरि लागल छी। किछु गोटे मनोबल घटाबएबला काज सेहो कएलथि मुदा दृढ निश्चय लऽ लेलाक बाद छोटका मोटका बात ककरो डगमगबैत नहि अछि से अनुभव हमरा प्राप्त भेल।

मैथिली भाषा सिखा देलक

कार्ड मैथिली भाषामे लिखल जाए ई अभियान हमरा मैथिली सिखा देलक। आश्चर्य लागल जनकपुरक मात्र नहि एहि क्षेत्रक लग पासक शहरमे हमरे लिखल कार्डसभ दोसरो प्रेससँ छपाइत अछि।

मैथिलीमे कोनो मेटर लिख दिअ ई कहलाक बाद हमरा कोनो आसकति नहि होइत अछि। दोसरो प्रेसकेँ लेल हम लिख दैत छी। शुरुमे तऽ मैथिली लिखए नहि आबए मुदा राजनीतिकर्मी वृषेश चन्द्र लाल हमर गुरुकेँ काज कएलन्हि। वएह मैथिलीक कार्डक भाषा लिखए सिखा देलन्हि। आब तऽ मैथिलीमे अन्यो चीज लिखाबएकेँ होइत अछि तऽ लोक हमरा लग चलि अबैत अछि।

एफएम रेडियोसभ सेहो सहायक भेल

मैथिली भाषामे हरेक वर्गक लोक कार्ड छपाबए ओहिकेँ लेल जनकपुरक एफएम रेडियोसभ सेहो सहायक भेल अछि। पहिने मैथिलीकेँ बहुतो लोक अपन भाषा नहि मानैत छल। मुदा जहिना एफएमक लोकप्रियता घर घरमे पहुँचल लोक मैथिलीकेँ अपन भाषा बुझए लागल आ एकरा काजक भाषाक रुपमे प्रयोग करए लागल। एहिमे महेन्द्र मलंगियाक नाटक सेहो प्रभावकारी भूमिका खेललक। हुनकर नाटकमे जे जनबोली अछि सभकेँ एकठाम जोड़एकेँ काज कएलक।

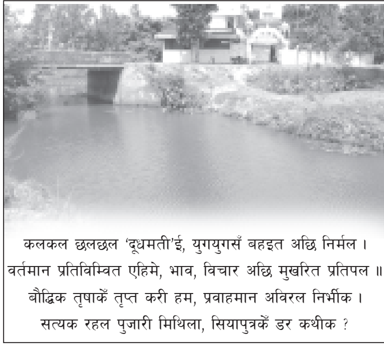
व्यावसायिक फाइदा सेहो

मैथिलीमे कार्ड छपेलासँ व्यावसायिक फाइदा सेहो पहुँचल अछि। युनियन प्रेसमे मैथिलीमे बढिया कार्ड छपैत छैक से जहिना लोककेँ पता चलैत अछि। युनियन प्रेसमे चलि अबैत छथि। एहन लोक प्रत्येक महिना दर्जनकेँ संख्यामे भेटैत छथि। बाहरो सँ लोक युनियन प्रेसमे कार्ड छपाबए चलि अबैत अछि।

९० प्रतिशत धरि मैथिलीक कब्जा

एखन जनकपुरमे जतेक निमन्त्रणा कार्डसभ छपाइत अछि ओहिमे ९० प्रतिशत सँ बेसी मैथिलीमे होइत अछि। कतेक तऽ नेपालीयो भाषीक पहिल पसन्द मैथिलीए रहैत अछि। मैथिलीक स्क्रिप्टमे सेहो एतेक विविधता भऽ गेल अछि जे ककरो एकर स्क्रिप्ट प्रभावित कऽ सकैत अछि। जनकपुरक प्रभाव सीमा क्षेत्रसभपर सेहो पड़ल अछि। ओहि ठाम सेहो मैथिलीमे लोक कार्ड छपबैत छथि।

(लेखक युनियन प्रेसक संचालकक अतिरिक्त सामाजिक कार्यकर्ता छथि ।)



कलकल छलछल 'दूधमती'ई, युगयुगसँ बहइत अछि निर्मल।
वर्तमान प्रतिविम्वित एहिमे, भाव, विचार अछि मुखरित प्रतिपल ॥
बौद्धिक तृषाकें तृप्त करी हम, प्रवाहमान अविरल निर्भीक।
सत्यक रहल पुजारी मिथिला, सियापुत्रकें डर कथीक ?

सम्पादकीय

जनकपुरक सरोवरसभक संरक्षण आवश्यक

जनकपुरक ऐतिहासिक सरोवर रामसागरके संरक्षणक लेल भारतीय दुतावास इच्छुक देखल गेल अछि। सागरक सौन्दर्यीकरणक लेल प्रस्ताव पठाबए जनकपुरक एकटा युवा क्लवके आग्रह कएलक अछि। एहिसँ पहिने जनकपुरक गंगासागर आ धनुषसागर पोखरि आ रंगभूमि मैदानक संरक्षणक लेल भारत सरकार आगा आएल छल। मुदा ओ पोखरिसभके जाहि रुपसँ काज होएबाक चाही से नहि भऽ सकल। एखनधरि ओ योजना लटकले अछि।

मुदा इहो सत्य अछि जनकपुरक विकासक लेल धार्मिक पर्यटन क्षेत्रके विकास करए पड़त। एहिके लेल एहिठामक पोखरि आ मठमन्दिरके संरक्षित आ सौन्दर्यीकरण करए पड़त। एकर अभियान गंगासागरसँ शुरु भऽ चुकल अछि। भारत सरकार अधुरा काज कएलक एकरबादो एहिठामक लोक रुकल नहि आगा बढौलक। आई ओहि पोखरिपर प्रत्येक राति गंगा आरती कऽ जलसंरक्षण अभियानके बड़का बल देल जा रहल अछि।

एक दिस दाता खोजल जाए दोसर दिस अपनो दिससँ काज आगा बढाओल जाए। रामसागरके भारत सरकार सौन्दर्यीकरणक काज आगा बढाओत। मुदा ओहिसँ पहिने एहिठामक लोक ओ पोखरिके सफाई तऽ कऽ सकैत अछि। ई काज आगा बढौलासँ एकटा नीक सन्देश जाएत। पोखरिके मात्र दाताके भरपर निर्भर नहि राखल जाए। अन्तमे जनकपुरक विकासक सूत्र धार्मिक पर्यटन क्षेत्र अछि। एहिमे सभके योगदानक आवश्यक्ता अछि।

डाक

एडीबी सडक तथा नाला निर्माण काज कहियासँ शुरु हएत से अखनधरि निश्चित नहि छी। अविलम्ब काज शुरु हुए से अपेक्षा अछि।

अतुल झा
जनउपा १

आरती पूजा

जानकी मन्दिर

भोर मे द्वार खुजएके समय ५:०० बजे
भोरक पूजा आरती समय ८:०० बजे
मध्यान्हमे द्वार बन्द समय १२:०० बजे
बेरियामे द्वार खुजएके समय ४:०० बजे
साझमे पूजा आरतीक समय ७:३० बजे
रातिमे द्वार बन्द होबएके समय ९:०० बजे

राम मन्दिर

भोर मे द्वार खुजएके समय ५:०० बजे
भोरक पूजा आरती समय ८:०० बजे
मध्यान्हमे द्वार बन्द समय १२:०० बजे
बेरियामे द्वार खुजएके समय ३:३० बजे
साझमे पूजा आरतीक समय ७:०० बजे
रातिमे द्वार बन्द होबएके समय ९:०० बजे

गंगा आरती

गंगा आरतीक संकल्प पूजा ६:४५ बजे
गंगा आरतीक विशेष पूजा ७:०० बजे



कि चिड़ै प्रेमीप्रति इमान्दार होइत अछि ?



हजारो किलोमिटर दूर होइतो रकहोपर पेंग्विन अपन प्रेमीकप्रति प्रति इमान्दार होइत अछि। एक अनुसन्धान कहैत अछि मनुषसँ बेसी अपन प्रेमीप्रति इमान्दारिता देखबैत अछि। कतेक चिड़ै मोनोगैमीमे विश्वास करैत अछि तऽ कतेक चिड़ै अपन प्रेमी अतिरिक्त अन्य दोसरसंगे सेहो सम्बन्ध बनाबएसँ नहि चुकैत अछि।

सभ चिड़ै एकहि स्वभावक नहि होइत अछि। एहि सम्बन्धमे जानकारी नहि अछि जे गालापागोस पेंग्विन अपन प्रेमीकप्रति कतेक इमान्दार होइत अछि, मुदा रकहोपर पेंग्विनके मोनोगैमस मानल जाइत अछि। अपन प्रेमीसँ हजारो किलोमिटर दूर रहितो अपन प्रेमीसँ मिलएके प्रतिक्षामे रहैत अछि।



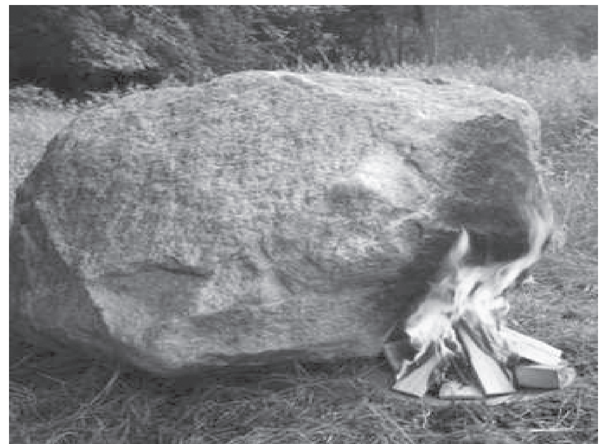
अधिकांश चिड़ै भोरमे जल्दिए उठल करैत अछि। एकर फाइदा सेहो होइत अछि। करीब ९० प्रतिशत चिड़ैके सामाजिक रूपसँ मोनोगैमस मानल जाइत अछि। मुदा ब्लूटिट चिड़ैके मामिला कनी गम्भिर अछि। ई चिडै अपन प्रेमीके सबेरे उठि कऽ खोंतामे छोड़ि [redacted] एकटा एहन प्रेमीक खोजी करैत अछि जे सबेरे उठल हुए।

किछु चिड़ै एहन सेहो होइत अछि जे अपन प्रेमीके मरैत दम तक साथ दैत अछि। स्वान हाँस अपन प्रमीके जीवनभरि साथ दैत अछि। दूनु मील कऽ अपन वासस्थान बनबैत अछि। पुरुष स्वान हाँस अपन वासस्थानके बहादुरीक संग रक्षा करैत अछि तऽ स्त्री स्गवान हाँस अपन अण्डाके सावधानीपूर्वक रेखदेख करैत अछि। प्रेम आ इमानदारीक प्रतीक मानल जाएवला स्वान हाँस एहि एकटा सम्बन्धक अतिरिक्त अन्य सम्बन्ध नहि बनबैत अछि से नहि अछि।

हाँस वत्तक कुलके चिड़ै अछि आ सामान्य रुपसँ प्रत्येक बत्तकके मोनोगैमस मानल जाइत अछि। मुदा एहि कुलके कतेक एहन चिडै अछि जे स्वान हाँसजँका मील कऽ वासस्थान नहि बनबैत अछि। ई काज मात्र स्त्री हाँसके होइत अछि। मुदा जखन स्त्री हाँस अण्डा दैत अछि तऽ ओकर देखभाल पुरुष हाँस सेहो करैत अछि भलेही ओ ओकर बच्चा नहि हुए।

सुगा बेसीसँ बेसी समय सुरक्षित रहबाक लेल बडका भीड़मे रहैत अछि। भीड़के भीतरे सुगा जीवनपर्यंत चलएबला मोनोगैमस संबंध स्थापित करैत अछि। मुदा ईएह भीड़क [redacted] अफेयर चलनाई सामान्य बात होइत अछि।

पत्थरके पजरामे आगि बारु वाईफाईके सिग्नल पाउ



कि अहाँ एहन पत्थरके सम्बन्धमे सुनने या पढने छी जाहिके पजराके आगि बारलासँ वाईफाईके सिग्नल भेटैत हुए। पक्के नहि पढने या सुनने हएब वा कही बातपर विश्वास नहि करब। वैज्ञानिकसभ एकटा एहन पत्थरके खोज करए सफल भेल छथि जाहिके पजरामे आगि बारलासँ वाईफाईके सिग्नल मिलैत अछि।

एहन पत्थर जर्मनीक आउटडोर स्कल्पचर्सके संग्रहालय न्यूएनकिर्चेनमे राखल गेल अछि। ओहि पत्थरलगमे वाईफाईके युजर्ससभके भीड़ लागल रहैत अछि।

बात ई अछि जे पत्थरके भीतर एकटा थर्मो इलेक्ट्रिक जेनरेटर लगाओल गेल अछि जे गर्मीके बिजुलीमे परिणत करए सफल होइत अछि। बिजुली मिलते वाईफाई राउटर अन भऽ जाइत अछि आ इन्टरनेटके सिग्नल मीलए लगैत अछि। पत्थरके तौल लगभग १.६ टन अछि। एहि आर्टवर्कके कीप एलाइभ नाम देल गेल अछि। एहिके निर्माण एरम बर्थोल नामक व्यक्ति कएने छथि। वाईफाई जेनरेटरके फोटो सामाजिक सञ्जालपर बहुत बेसी भाइरल भऽ रहल अछि। एहिठाम आबएबला पर्यटकके स्वयं आगि लगा कऽ वाईफाई सिग्नल जेनरेट करबाक लेल कहल जाइत अछि।

एजेन्सीक सहयोगमे

जनकपुरलाई लोडसेडिङ्ग....................

समिति मासका संयोजक सरोज मिश्रले प्रश्न गर्नु हुन्छ। जनकपुरलाई दोस्रो दर्जाको क्षेत्रको रुपमा देखियो भने हामी चुप नलाग्ने उहाँले चेतावनी दिनुभयो।

संयुक्त युवा संघर्ष समितिले यसका लागि शान्तिपूर्ण आन्दोलन गर्ने समितिका संयोजक धर्मेन्द्र साहले जानकारी दिएका छन। देशको अन्य शहरभन्दा अहिले पनि जनकपुरमा कम बिजुली प्राप्त भइरहेको छ। जनकपुरसंग भेदभाव गरेर एउटा नेपालको परिकल्पना कसरी गर्न सकिन्छ उहाँले प्रश्न गर्नुभयो। यसका लागि आफूहरुले चाँडै एक बैठक गरी नयाँ रणनीति बनाउने उहाँले जानकारी दिनुभयो।

मधेश क्रान्ति संघर्ष समितिका नविन यादवले बिजुलीको समस्यालाई तत्काल समाधान नगरिए आफूहरु चाँडै संघर्षको कार्यक्रम घोषणा गर्ने चेतावनी दिनुभयो। जनकपुरका जनतालाई कमजोर नठान्न सरकारलाई उहाँले सचेत गराउनु भयो।

मधेश नागरिक समाजका अध्यक्ष लभ झाले पनि जनकपुरलाई कमजोर नआँकन सरकारलाई चेतावनी दिनुभयो। जनकपुरले बिजुली पाएर छाड्ने उहाँको कथन थियो। मासका जानी खानले राजनीतिक संघर्ष र विकासको समस्यालाई संगै लग्ने बताउनुभयो। बिजुलीका लागि कडा संघर्षको आवश्यक्ता रहेको उहाँको कथन थियो। जनकपुर क्षेत्रलाई बचाउनपनि नियमित बिजुली आपूर्ती हुनु पर्छ उहाँले बताउनु भयो।

हमरा मुसलमानक चश्मासा नहि देखल जाए

जनकपुर उप महानगरपालिकाक पूर्व उपमेयर ***असगर अली*** तराई मधेश लोकतान्त्रिक पार्टीमे प्रवेश कएलन्हि अछि। किछु बर्षसँ मधेशक मुद्दामे काज करैत आएल अलीके कोनो मधेशवादी पार्टीमे एतेक अबेरसँ प्रवेश करबाक कारण कि भऽ सकैत अछि सहित सम सामयिक विषयमे दूधमतीक सम्पादक ***सुजीत कुमार झा*** बातचित कएलन्हि ।



असगर अली

पूर्व उपमेयर

जनकपुर उप महानगरपालिका

मधेश आन्दोलन तुहि गेल समयमे मधेशवादी कोनो पार्टीमे प्रवेश करबाक कारण कि भऽ सकैत अछि ?

मधेश आन्दोलन तुहि गेल के कहैत अछि ? हम ई बातके नहि स्वीकारब। ई मुद्दा जनजनमे स्थापित भऽ गेल। समस्या कतए अछि मधेशी जनता बढियाँ जँका बुझि गेल। अन्तर्राष्ट्रिय निकाय सेहो नेपालमे भेदभाव अछि ओकरो बुझएमे भाँगट नहि रहल। एकरा कम बडका उपलब्धि नहि मानि सकैत छी।

एक दिस अपनेसभ मधेशीक उपलब्धिके बात कऽ रहल छी मुदा धरातलीय अवस्था देखल जाए तऽ कोनो खासे प्राप्ति नहि भेल अछि ?

अधिकार आन्दोलन एक दिन दू दिनसँ नहि प्राप्त होइत अछि। समय लगैत अछि। मुदा इमान्दार रहब आवश्यक अछि। एहिके प्रति प्रतिबद्ध रहब आवश्यक अछि। समय लागत मुदा अधिकार प्राप्त भइएके रहत।

मुदा मधेशवादी दलक नेतासभ कहैत रहथि जे बन्दी एहिना चलैत रहत तऽ अधिकार लइए कऽ छोडब, कि ओ भाषणवाजी मात्र छल तऽ ?

नहि, ओहो बात ठीक छल जे प्राप्तिक माहौल बनल अछि ओकर जढ़ि आन्दोलने अछि। मधेशी जनता जाहि रुपसँ आन्दोलनमे सहभागि भेल ओ प्रशंसा करए लायक बात अछि। इहे बन्दीक कारण मधेश मुद्दाके अन्तर्राष्ट्रियकरण भेल।

आब कोना अधिकार भेटत तऽ ?

संघर्षे अधिकार दियाबए सकत। ६ महिनाक बन्दी सहित लम्बा आन्दोलनक कारण मधेशीसभके आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक हरेक दृष्टिसँ क्षय भेल अछि। आब ई बन्दीसभके आओर लम्बा नहि तानल जा सकैत छल। मुदा इहो सत्य अछि आन्दोलन रुकल नहि अछि। शक्ति सञ्चय करएके समय अछि। फेरसँ आन्दोलन शुरु कएल जाएत।

मुदा इहो कहलजाइत अछि जे जनता तऽ आओर त्याग करए पड़त तऽ करब कहि रहल छल, नेतेसभ हडबडा गेल ?

नहि, लोकके बुझएमे एना भऽ सकैत अछि। मुदा जखन लोकोसँ बात करैत छी तऽ ओसभ कहैत अछि जे सही समयपर सही निर्णय भेल अछि। मधेशक मिडियासभमे एहि प्रकारक खबरिसभ सेहो आएल अछि। एहिसँ ई बात स्पष्ट अछि आन्दोलनके प्रकृतिके बदलएके आवश्यक्ता छल मुदा इहो सत्य अछि जे आन्दोलन कोनो नहि कोनो रुपसँ चलैत रहत। नेतासभ हडबडाएल नहि छथि। ओ सभ मधेशक मुद्दापर प्रतिबद्ध छथि।

हम फेरसँ पार्टी प्रवेशबला बातपर आबी, तराई मधेश लोकतान्त्रिक पार्टीमे प्रवेश करबाक कि कारण भऽ सकैत अछि ?

बहुत विचार हमर तमलोपासंग मिलैत अछि। महन्थ ठाकुर संकिर्ण लोक नहि छथि। हुनका नेतृत्वमे काज करएमे आसान हएत। इएह हमरा एहि पार्टीमे प्रवेशक कारण बनल। एकर अतिरिक्त ओ पार्टीक केन्द्रिय उपाध्यक्ष बृषेशचन्द्र लाल आ केन्द्रिय सम्पादन समितिक सदस्य डा. विजय कुमार सिंहसंगक सम्बन्ध सेहो एहिमे आबएमे सहायक भेल।

एकबेर तऽ उपेन्द्र यादवक पार्टीमे जाएके हल्ला सेहो चलल छल ?

जखन हम मनस्थिति बनेलहुँ जे मधेशवादी पार्टीमे रहि कऽ काज करब तऽ बहुतो पार्टीसभसँ अफर आएल। उपेन्द्र जीके पार्टी तऽ हमरा प्रवेश कराबएके लेल ४ घण्टाधरि हमरासंगे बात कएने छल। राजकिशोर यादव, जेपी गुप्ताक पार्टी मात्र नहि सदभावना सेहो प्रयास कएने छल। मुदा बहुत सोचि समझि कऽ एहिमे एलहुँ। वृषेशचन्द्र लाल आ डा. विजय सिंहसंग २० बर्षसँ सम्बन्ध अछि। हुनका सभसंग सेहो बातचित कएलहुँ फेर एहिमे एलहुँ।

फोरवार्डक पार्टीमे मुस्लिम नेताके अटाएमे सहज भेल ?

ककरा अपने फोरवार्ड पार्टी कहैत छियैक ? महन्थ ठाकुर केन्द्रिय अध्यक्ष भऽ गेलथि तऽ ओ पार्टी फोरवार्ड भऽ गेल, हम नहि मानैत छी। जवाहरलाल नेहरु भारतीय कांग्रेसक अध्यक्ष रहथि कहाँ ओ पार्टीके ब्राह्मण पार्टी कहल गेल। हुनका नेतृत्वमे जिन्ना, किदबइ वा ई कही बहुतो जातिक नेता रहल छलथि। एहिठाम एकटा परम्परा बनि गेल छैक व्यक्तिके जातिक चश्मासँ देखल जाइत अछि। तमलोपामे सभ जातिक लोक अछि। कएटा जिल्ला अध्यक्ष मुसलमान अछि। धनुषेके जिल्ला अध्यक्ष परमेश्वर साह छथि जे दोसर जातिक छथि।

किछु लोभ तऽ अवश्य तमलोपाबला सभ देने हएत ?

सुजीत भाई एखनधरि तुँ हमरा नहि चिन्हलाहए हम लोभमे फसएबला नेता नहि छी। जनकपुरमे उपमेयर सेहो भेलहुँ मुदा एक पैसा बेइमानी नहि कएलहुँ। ई पार्टी मधेशक मुद्दाके सही ढंगसँ लऽ जाए सकैत अछि। ई तुँ [illegible]ए।

दूधमती

पञ्चायत कित्तासँ मधेश कित्तामे आबएमे १० बर्ष अपनेके लागल ?

नहि, एक समय छल ओहि समयमे पञ्चायतके माँग छल मुदा जखन समय परिवर्तित भेलैक ओहिमे रहब औचित्यहिन बुझाएल। तखने हम एम्हर चलि एलहुँ। भलेही औपचारिक रुपसँ अबेरसँ पार्टीमे प्रवेश कएलहुँ मुदा एहिके लेल तऽ बहुत पहिनेसँ काज शुरु कऽ देने छलहुँ।

मुसलमानके आवाज तमलोपा बढियाँ जँका उठा सकत अपनेके लगैत अछि ?

हमरा मुस्लिम जातिक भेलाक कारण ई प्रश्न करबाक औचित्य नहि लगैत अछि। हम एकटा जातिके लऽ कऽ चलएबला लोक नहि छी। सभ समुदायके उन्नति होइक से पक्षक लोक छी जकर उदाहरण तमलोपामे प्रवेश करएकाल हमरासंगे मुसलमान सेहो प्रवेश कएलक, मेस्तर, ब्राह्मण, राजपुत, मण्डल, सहनी सहित बहुतो जातिक। मुदा हम एकटा बात स्पष्ट कऽ देबए चाहैत छी मधेशक माँग पूरा हएत तऽ मधेशमे रहएबला सभ जातिक अधिकार सुनिश्चित हएत।

एकटा मुसलमान होबएके कारण राजनीतिमे अपनेके फाइदा भेल अछि कि घाटा ?

हम मुसलमान वा हिन्दुके बात नहि करैत छी। हम राजनीतिकर्मी छी, सामाजिक कार्यकर्ता छी। फेरसँ एकटा बात स्पष्ट कऽ देबए

बात चित

चाहैत छी हमरा मुसलमानक चश्मासँ नहि देखल जाए। हमरा जे मान सम्मान जनकपुरमे भेल अछि ओतेकके हकदार हम नहि छलहुँ। जनकपुरक जनताके एहिके लेल हृदयसँ धन्यवाद दैत छी।

मुस्लिमसभ राजनीतिमे ओहि रुपमे नहि आबि रहल अछि स्वीकार करैत छी ?

हँ, एकर जढ़ि छैक शिक्षाक अभाव। राज्यके उदासिनता। सभ जातिके कोना मूलधारमे आनल जाए एकर सोच अखनधरि विकसित नहि भेल अछि। ई अधिकार आन्दोलन सफल हएत तऽ सभ समस्या दूर भऽ जाएत।

अपने जनकपुर उप महानगरपालिकाक उपमेयर रहि चुकल छियैक, विकासक दृष्टिसँ एतेक पाछा परएके कारण कि लगैत अछि ?

जनकपुरके मात्र नहि कही पूरे मधेशमे कुल बजेटक १५ प्रतिशत खर्च होइत अछि एहिसँ कोना विकास हएत। राज्य हयके दृष्टिसँ देखैत अछि। पहाडी मानसिकता समस्या बनल। पञ्चायत कालमे गणतन्त्रवादी नेता दुर्गानन्द झा राजापर बम फेकलाक कारण एकरा पाछा पारल गेल, २०४६ सालके बाद सेहो मानसिकतामे परिवर्तन नहि आएल।

अपने सेहो उपमेयर रहियैक कि कएलियै ?

नगरपालिकाके आन्तरिक बजेटसँ मात्र विकास सम्भव नहि अछि। एकरबादो राजश्व बढा कऽ नगरपालिकाके काज आगा बढेलहुँ। २०१९ सालसँ २०५९धरि साढे आठ हजार नक्सा पास भेल छल। हमसभ किछुए दिनमे १६ हजार नक्सा पास कएलहुँ जाहिसँ ४८ लाख राजश्व उठल। बजरंग प्रसाद शाह जे पोखरिके ५ हजार, १० हजारमे ठिक्का लगौने छलथि ओकरा १० लाख, १५ लाखमे पहुँचेलहुँ। १२ नम्बर वार्डमे सामुदायिक भवन बनेलहुँ। ग्रेभलींग सडक बनेलहुँ। सफाईके अनुभूति दिएलहुँ। अन्तमे नगरपालिकाक कोषमे ५२ लाख रुपैया छोड़ि कऽ गेल छलहुँ। हमर सभक मित्र पत्रकार मात्र नहि कट्टर बिरोधीसभ सेहो बिरोध समाचार नहि लिखलन्हि। एकर अर्थ नीक काज भेल छलैक।

दूधमतीके नामेजँका पवित्र फेर बनाबए पड़त

अभियान



संजिव कर्ण
व्यवसायी
जनकपुर

दूधमती नदीक नाम सुनिते पहिने लोकके मोनमे पवित्रतासँ जुडल बबात अबैत छल । मुदा आब एहि नदीक हालत एहन अछि जे दूधमतीक नाम सुनिते गन्दे गन्दासँ भरल नदीक रुपमे जनैत छथि । मुदा कहिओ अपना गर्भमे निर्मल कञ्चन पानि पहुँचाबएमे स्थानीयवासी सभक हाथ अछि । ओकर पानिसँ उपभोग करएबला लोकके हाथ अछि । एहि नदीक पुर्नउत्थान तऽ दुर पश्चाताप धरि नहि छन्हि किनको ।

आब हमरा अहाँक गलती सुरधारएके बेर अछि । ई गलती तखने सुधार हएत जखन दूधमती अपन पुरान स्वरुपमे पुर्न रुपसँ नहि तऽ सुधारोन्मुख दिस आगा बढत तैयो किछु हदधरि सुधार हएत । दूधमती नदी हमरा अहाँ लेल पवित्र नदी अछि । दूधमती नदी एतेक पवित्र अछि एहि बातक अनुमान एहि बातसँ लगाओल जा सकैत अछि जे एहि नदिक निर्माण गौमाता कामधेनुक दुधसँ भेल अछि । दूधमती नदिक पहिने देखिते बुझाइत छल जे ई कोनो पवित्र नदी अछि । मुदा आब ओ अवस्था नहि रहि गेल अछि । एकर कारण एहो भऽ सकैत अछि जे नदीक क्षेत्रफल जे छल से आब नहि रहि गेल अछि । इएह कारण पानिक बहाव सेहो बन्द भऽ जाइत अछि कोनो कोनो महिनामे । एहिपर सर्वेक्षण कऽ कऽ एकर विस्तार करबाक चाही संगहि एक संरक्षणक लेल दूधमतीक दुनू किनारमे वृक्षारोपण हएब अति आवश्यक अछि । एहि नदीक गरिमामयी इतिहासके लोक बिसरए लागल अछि । एकर इतिहास आ एकर निर्मल जलके सम्बन्धमे प्रचार प्रसार कऽ कऽ सुसुप्त अवस्थामे रहल दूधमतीके जगाबएके लेल अभियान चलौनाइ अपरिहार्य भऽ गेल अछि ।

दूधमतीक कायाकल्प होइक एहि पक्षमे छी । एहिक लेल बढि चढि कऽ भाग लेबए लेल कनिको कन्जुसी नहि करब हम से वचनवद्धता सेहो व्यक्त करए चाहब ।

हम्मर आवाज

ढल्केवर मुज्जफरपुर अन्तरदेशीय लाइनके माध्यमसँ भारत नेपालके ८० मेगावाट विद्युत देलाक बाद जनकपुरके लोडसेडिङ्ग मुक्त करबाक गैरराजनीतिक संस्थासभ आ जनकपुर उद्योग वाणिज्य संघ आन्दोलन शुरु कएलक अछि । एहिके अहाँसभ कोन रुपमे लैत छी विभिन्न क्षेत्रक व्यक्तिसभसँ हमरसभक सहकर्मी ***सोहन ठाकुर*** आ ***शम्भु प्रसाद शाह प्रेमी*** पुछने छलथि । हुनकसभक जवाब एहि प्रकार छल ।



अमरकान्त अमर
सञ्चारकर्मी

जनकपुर उद्योग वाणिज्य संघ जनकपुरके लोडसेडिङ्ग मुक्त करबाक लेल जे आन्दोलन शुरु कएलक अछि एहिके हम स्वागत करैत छी । देशक आन आन शहरसँ बेसी लोडसेडिङ्ग जनकपुरमे होइत अछि । एहन भेदभाव किए सरकारसँ पुछए चाहब ।



राजेश भण्डारी
अध्यक्ष
श्री गणेश युवा कमिटी

जनकपुर लोडसेडिङ्ग मुक्त होएबाक चाही । मधेशक भूमि प्रयोग कइयो मधेशके अन्धकारमे रखब राज्य गलत नियत अछि । गैरराजनीतिक संस्थासभके एहि आन्दोलनमे सभ किओके सहयोग करबाक चाही ।



रोजी झा
विद्यार्थी

पहाडी जिल्लाक भूमि प्रयोग कऽ जखन विद्युत आपुर्ती कएल जाइत अछि तऽ ओ जिल्लाके लोडसेडिङ्ग मुक्त करबाक परम्परा रहल अछि । मुदा मधेशमे ई नियम किए नहि लागु हएत । जनकपुरके तऽ आब कमसँ कम लोडसेडिङ्ग मुक्त करबाक चाही ।



रामकरण दास
जनकपुरधाम

जनकपुरके लोडसेडिङ्ग मुक्त करबाक लेल बेरबेर व्यापारीसभ आन्दोलन करैत आएल अछि । मुदा अपन माँग पूरा कराबए चुकल छथि सभबेर । आब जे आन्दोलन शुरु कएने छथि गैरराजनीतिक संस्थासभ जनकपुरके लोडसेडिङ्ग मुक्त कराबए लेल एहि बेर चुक नहि हएबाक चाही ।



फुलदेव पण्डित
व्यवसायी

जनकपुरसँ पाछा निर्माण भेल शहरसभ बहुत आगा निकलि चुकल अछि । मुदा जनकपुर जततउके ततहि अछि । एकर मूल कारण विद्युतक समस्याके सेहो लऽ सकैत छी । लोडसेडिङ्ग मुक्त करबाक लेल आब जे शुरु भेल अछि से सफल हएत हमरा विश्वास अछि ।



कुमार भास्कर
सञ्चारकर्मी

जनकपुरक विकासके हिसाबसँ लोडसेडिङ्ग बहुत बडका बाधक साबित भऽ रहल अछि । आब राज्य पक्षके द्वैध नीति छोडि कऽ जनकपुरसँग भेदभाव नहि करबाक चाही । जनकपुर जल्दिए लोडसेडिङ्ग मुक्त हएत एहि आशामे छी । आ ई आन्दोलनके हम समर्थन करैत छी ।

कविता

फागुनक पानि

डा. शशीधर कुमार विदेह

फागुनक पानि, अकालक पानि ।
तइयो लाभ आ किछु छी हानि ॥
गहूम पुष्ट, मज्जर मजगूत ।
मसुरीक छी सद्यः यमदूत ॥

धियापुता लए मजगर बात ।
स्कूल बन्दी छै बरसात ॥
पुरिबा-पछबा बहए बसात ।
ठिठुराबै-कँपबै छै गात ॥

बीतल ठण्ढी पुनि घुरि गेल ।
सोएटर-कम्मल बाहर भेल ॥
मुरही कचड़ी झिल्ली चौप ।
चाहक चुस्की चौके-चौक ॥

गरम जिलेबी, लिट्टी बेस ।
गरम सिंघारा खेपे-खेप ॥
नहिए गरजय-तरजय मेघ ।
टिप टिप टिप टिप बरिसय मेघ ॥

बरसाती, छत्ता की भेल ?
छोड़ू ! एक दिनक छी खेल ॥

२
माघ

सिहकैत बसात, ठिठुरैत माघ ।
ओसक टप् टप्, कानए अकास ॥
सभ आढ़ि-धूर पर उगल घास ।
ओसेँ भीजल, पिछड़ैत लात ॥

ओसेँ भीजल अछि गाछ-पात ।
टप्-टप् भू पर पानिक प्रपात ॥
पर ओस चाटि की मेटए प्यास ?
एकटा अछार एखनो छै आश ॥

पछता गहूम केर हो ने नाश ।
तेँ दमकलसँ अछि पटैत चास ॥
नाला-पौती अछि बितल बात ।
प्लास्टिकक पाइप संबल उसास ॥

अजगर सनि पसरल बीच बाध ।
फक् फक् करैत दमकलक साथ ॥

गमछा(मफलर बन्हने गाँती ।
चद्दरि (सोएटर झँपने छाती ॥
निकलल (जकरा भोरे छै काज ।
काजक बदलामे नञि छै लाथ ॥

शीतलहरी पूसहु केर बाद ।
नहि जानि कते दिन रहत आब ॥
कनकनी एहेन कँपबैछ हाड़ ।
तइयो धड़फड़मे घटकराज ॥

एहनोमे धोएबा लेल पाप ।
जा रहल लोक दौगल प्रयाग ॥

रमौलवाली सिखौलक स्क्रीप्टिङ्ग

सुनिल यादव (दामोदर)



■ जयन्त ठाकुर

पसिनक बात

भोजन : खीर

पहिरन : सर्ट, पैन्ट

पुस्तक : जीत आपकी (शिव खेरा)

नाटक : दिन चोकैट गिया है (अवधेश पोखरेल), वैदेशिक रोजगार रहु होशीयार

गीत : किए कनबैत छी नेपाल मायके.....

गायक : उदित नारायण झा

गायिका : शारदा सिन्हा

कलाकार : राम नारायण ठाकुर, मेथुल प्रसाद यादव

नेपालीमे एकटा कहवी अछि हुने बिरुवाको चिल्लो पात। अर्थात होनहार धियुपुता अपन नीक गुण बच्चेसँ देखाबए लगैत अछि। ओना कलाकार सुनिल यादवके नाटकप्रतिके क्रेजके लऽ कऽ घरसँ लऽ बाहरधरि उलहन सुनए पड़ल छन्हि। मुदा आब स्थितिमे किछु सुधार आएल अछि। ओ अपन टोलमे सभसँ लोकप्रिय व्यक्तिमेसँ एक बनि चुकल छथि ओहो इएह कलाकारिताके लऽ कऽ।



सुनिलक जन्म वि.सं. २०४१ माघ १० गते जनकपुर उप महानगरपालिका वार्ड नम्बर १४मुजेलीयामे मे भेल छल। किनको कहाँ बुझल छलन्हि ई नटखट स्वभावक बच्चा अपन माय बाबुक नाम रोशन करत। हुनक माय पवन देवी आ पिता राजकिशोर यादव अपन बेटा सुनिलपर गर्व करैत छथि। ओ कहबो करैत छथि बेटा अगिलो जन्ममे हुए तऽ सुनिल सनके। स्नातकोत्तर धरिके अध्ययन कएने सुनिल आई जनकपुरक स्थापित कलाकारक सूचीमे शामिल होबए सफल भेल छथि अपना दमपर।

सुखपुर्ण बाल्यावस्था बितल सुनिलके बच्चेसँ कलाकारिता क्षेत्र मानु जेना अपना दिस तनैत हुए। ओ मोन बना लेलथि हम कैरियर बनाएब तऽ कलाकारितामे। जाहिमे ओ सफलता सेहो हाशिल कएने छथि। शुरुवाती समयमे मुजेलीयामे रहल राधा कृष्ण पुस्तकालयसँ प्रत्येक बर्ष होबएबला नाटक सहायक सिद्ध भेल छल। ओना सुनिलक कलाकारितामे औपचारिक प्रवेश विद्यापति मैथिली टेलि श्रृंखलासँ भेल छल। शुरुमे एहि टेलि श्रृंखलामे हिनका एकटा लठैतके छोट भूमिका देल गेल छल। मुदा निर्देशक हुनक एहि रोलसँ प्रभावित भऽ कऽ दोसर छोट भूमिका विद्यापतिके सहपाठीक देलथि। दुनू भूमिका संग ओ न्याय करए सफल रहलथि। रामानन्द युवा क्लव हुनका सभके नाटक मञ्चन करबाक लेल आग्रह कएने छल। हुनकासभद्वारा मञ्चन कएल गेल नाटक देखि कयो नाटकके दिग्गजसभ मन्त्रमुग्ध भऽ गेलथि। फलस्वरुप सुनिलके रामानन्द युवा क्लव दिससँ काज करएके अवसर मीलल। सुनिलक कैरियरके लेल ई बहुत बडका सफलता छल कहैत छथि।



रामानन्द युवा क्लवमे प्रवेश करए पाएब सुनिलके लेल तऽ शुरुवाती सफलता छल। एहिके बाद ओ दिन गुणा राति चौगुणा कऽ सफलताक परचम लहराबैत चलि गेलथि। समय छल जनकपुरमे एफएमक युगके। सुनिल स्थानीय रेडियो मिथिलामे काज करबाक अवसर पएलथि। एहि रेडियो प्रसारित होबएबला कार्यक्रम रमौलबाली हिनक कैरियरके लेल बहुत बडका टर्निंग प्वाइन्ट साबित भेल। ओ कहैत छथि ई कार्यक्रम नहि रहैत तऽ संभवत: स्क्रिप्ट नहि लीखए सकितहुँ। मुदा इएह कार्यक्रमक देन अछि जे आई हम स्क्रिप्ट लीखएमे सक्षम छी।

ओहि समयमे बीबीसी रिसर्च एण्ड लर्निंग नेपालमे टप बेस्ट ५टा रेडियो नाटकके छनौट कएने छल। जाहिमे रमौलबाली पूरा नेपालमे तेसर स्थान प्राप्त करए सफल रहल छल। सुनिलक लेल ई कोनो सपनासँ कम नहि छल। ओनाहु रमौलबाली रेडियो नाटक जनजनके मोनमे घर बनाबएमे सफल रहल छल ओहि समयमे। एक दिस सुनिल रेडियो नाटकसँ कमाल देखा रहल छलति तऽ दोसर दिस मञ्चिय नाटकसँ सेहो। मानु जेना ई युग सुनिलके हुए।

दुलरुवा बाबुमे सुनिलद्वारा कएल पण्डितक भूमिकाके चारु दिस प्रशंषा कएल गेल। ओना ओ दिनाभद्री नाटकमे कएने जोराबर सिंहक भूमिकामे कएने अभिनयसँ कनी बेसी स्वयं प्रभावित भेलथि। तहिना मरजिवा नाटकके झोट्टाबला भूमिका सेहो सभकिओके प्रभावित कएने छल।



आब आबि कऽ ओ स्क्रिप्टिंगमे सेहो कमाल देखाबए लागल छथि। हुनकाद्वारा लीखल वैदेशिक रोजगार रहु होशियार नामक सडक नाटक सयो स्थानमे मञ्चन भऽ चुकल अछि। तहिना ओ आइ काल्हि मैथिली फिल्म आ गीतसभ लीखएमे कनी बेसीए व्यस्त छथि। ओ कहैत छथिए जल्दिए हमर लीखल गीत आ फिल्मसभ बजारमे आबए लागल अछि।

कैलासको खिस्सा-पिहानीको विमोचन



दूधमती समाचारदाता
जनकपुरधाम

युवा पत्रकार कैलास दासद्वारा सम्पादन गरिएको मैथिली बाल साहित्यमा आधारित पुस्तक खिस्सा पिहानीको सोमवार एक कार्यक्रमका बीच विमोचन गरिएको छ।

महोत्तरीको रामगोपालपुर स्थित रामजानकी प्राथमिक विद्यालयमा आयोजित कार्यक्रममा जनकपुर उपमहानगरपालिकाका पूर्व मेयर बजरंग प्रसाद शाह, सेभ हिस्टोरिकल जनकपुरका अध्यक्ष राम अशिष यादव, पत्रकार हिमांशु चौधरी, उमेश साह, श्यामसुन्दर शशी, जनकपुर उद्योग वाणिज्यका सचिव सुरेन्द्र कुमार भण्डारी, जिल्ला शिक्षा कार्यालय महोत्तरीका इन्जिनियर मुकेश दुबे, आफन्त नेपालका उपाध्यक्ष प्रदीप मरबैता, फिदा इन्टरनेशनलका पाईभी लेपानेन, तेहरी, कान्तिपुरका महोत्तरी सम्वाददाता रविन्द्र उप्रेती लगायतका व्यक्तिहरु संयुक्त रुपमा पुस्तक विमोचन गरेका थिए। खिस्सा पिहानी पुस्तकमा २६ वटा कथा समावेश गरिएको छ भने एक दर्जनभन्दा बढी साहित्यकारहरुको सो पुस्तकमा कथा रहेको छ। पुस्तकका बारेमा पुस्तकका सम्पादक कैलास दासले प्रकाश पार्नु भएका थिए। पुस्तकमाथि एकदर्जन भन्दा बढी वक्ताहरुले टिप्पणी गरेका थिए।

आफन्त नेपालका संयोजक जय प्रकाश मण्डलले शिक्षा, स्वास्थ्यका साथै अगामी दिनमा पनि मैथिली भाषा एवं साहित्य क्षेत्रमा काम गर्दै जाने प्रतिबद्धता व्यक्त गरेका थिए।

सो पुस्तकमा बाल साहित्यलाई ध्यानमा राखी र बालबालिकाको मनोविज्ञानमा साकारात्मक असर पुर्‍याउने हिसाबले कथाहरु समावेश गरिएका छन। पुस्तकको प्रकाशक भने आफन्त नेपाल रहेको छ। कार्यक्रमको उद्घोषण विष्णु यादवले गरेका थिए।

सो कार्यक्रममा आफन्त नेपालको आर्थिक सहयोगमा २७ लाखको लागतमा निर्माण गरिएको राष्ट्रिय प्राथमिक विद्यालय रामगोपालपुरको उद्घाटन समेत गरिएको छ। उक्त कार्यक्रममा नेपाल पत्रकार महासंघ महोत्तरीका पूर्व अध्यक्ष हरिनारायण मण्डल, पत्रकार अमरकान्त अमर, जयन्त ठाकुर, साहित्यकार राजाराम राठौट लगायतका व्यक्तिहरु उपस्थित रहेका थिए।

हमरा नहि बुझल अछि ?


नेहा

बंगलादेशके स्थापनासँ पूर्व बंगाली भाषा बाजए पएबाक, काम काजक भाषा बनाबए पएबाक माँग सहित आन्दोलन उठल। ओतए किए आन्दोलन शुरु भेल से त बुझएमे अबैत अछि। अपन मातृभाषाक अस्तित्व बचाबएके लेल। ओकर प्रतिफल ई भेल जे पुर्वी पाकिस्तान बंगलादेश बनल। इएह दिनक स्मरणमे प्रत्येक बर्ष फेब्रुअरी २१ तारिख क मातृभाषा दिवस मनाओल जाइत अछि।

मुदा जनकपुरक हाल किछु आओर अछि किए से नहि बुझल अछि। आजुक युवा पीढी जतए जाउ अपन मातृभाषाप्रति ओहि रुपसँ स्नेह नहि देखा रहल छथि आखिर किए हमरा नहि बुझल अछि।

जनकपुरमे मातृभाषा प्रतिके स्नेह जगाएब एकटा बहसके विषय अछिए मुदा एहि अतिरिक्त आन आन बहुत समस्या अछि। अनियन्त्रित हिसाबसँ सवारी साधन चलाएब जनकपुरक शहरी व्यवस्थापनमे बडका बाधक साबित भ रहल अछि। सवारी साधन चालकसभ किए नहि बुझए पाबि रहल अछि एहो हमरा नहि बुझल अछि।

हम मुरली चौकसँ शिक्षा कार्यालय दिस जाइत काल देखनहु एक गोटेके पुलिस पकरने अछि। कौतुहलता जागल आखिर किए पकरल गेल अछि। पत्ता लागल बिना हेल्मेटके मोटर साइकल चलौलाक कारण हुनका पकरल गेल छन्हि। मुदा पुलिसक हुनका काउन्सलिंग करएके सट्टा अभद्र बोली किए निकलन्हि हमरा नहि बुझल अछि।

हिन्दु धर्ममे गायके मायके दर्जा देल गेल अछि। हिन्दुवादी संस्थासभ गायके संरक्षणक लेल बेर बेर आवाज सेहो उठबैत आएल बात सत्य अछि। एहिसँ जनकपुर सेहो अछुत नहि अछि। अहुठाम गायके संरक्षणक मुद्दा समय समयपर उठैत रहल अछि।

मुदा गायके संरक्षण त दूर व्यवस्थित धरि नहि कएल जा रहल अछि। जाहिसँ जनकपुर शहरके व्यवस्थित करए कठीनाईके सामना करए परि रहल अछि। तैयो सम्बन्धित निकाय एहिपर किए नहि ध्यान द रहल अछि हमरा नहि बुझल अछि ! जय हो !

पत्रकार महासंघको साधारणसभा फागुन २६ गते

दूधमती समाचारदाता
जनकपुरधाम

नेपाल पत्रकार महासंघ धनुषा शाखाको साधारणसभा यहि मिति २०७२ फाल्गुन २६ गते हुने भएको छ। शाखाको शनिवार बसेको कार्य समितिको बैठकले फाल्गुन २६ गते साधारणसभा गर्ने निर्णय गरेको छ। महासंघ धनुषाको निर्माणाधिन भवनमा शाखा अध्यक्ष अनिल मिश्रको अध्यक्षतामा बसेको बैठकले सो साधारणसभाको कार्यक्रम जनकपुर उद्योग वाणिज्य संघमा गर्ने समेत निर्णय गरेको हो। यस्तै सो बैठकले नेपाल पत्रकार महासंघको सदस्यता नविकरणका लागि दिएको समयसिमाभित्र आवेदन बुझाएकाहरुलाई फाल्गुन २० गतेभित्र नविकरण शुल्क बुझाउन आग्रह गरेको छ।

शाखाले नविकरणका लागि सिफारिस गरेकाहरुलाई मात्र यसपाली नेपाल पत्रकार महासंघले सदस्यता नविकरण गर्नेछ। यता यस वर्ष नयाँ सदस्यताका लागि आवेदन दिएकाहरुको फाइल छानविनको क्रममा रहेको र साधारणसभापछि निर्णय सार्वजनिक गरिने शाखाले जनाएको छ।

धनुषा प्रहरीलाई कांग्रेस नेताको हत्याको अनुसन्धानमा ठूलो सफलता

दूधमती समाचारदाता
जनकपुरधाम

कांग्रेसको एक नेताको हत्या र एक नेतामाथि गोली प्रहारको घटनापछि अनुसन्धान थालेको धनुषा प्रहरीले ठूलो सफलता हात पारेको छ। कांग्रेस नेता नसिव राइनमाथि गोली प्रहार गरेको आशंकामा धनुषा प्रहरीले तीन जनालाई पक्राउ गरी सार्वजनिक गरेको छ।

पक्राउ पर्नेहरुमा भुमिगत संगठन जनतान्त्रिक टाइगर जनशक्ति पार्टीका सैन्य कमान्डर सिरहा राजपुर १ का रामरिझन यादव, उक्त संगठनका कार्यकर्ता सिरहा मिर्चैयाका बेचन पासवान तथा अर्का एकजना राजपुर १ का जसलाल यादव रहेका छन।

नेपाली कांग्रेसका क्षेत्रिय नेता नसिव मियाँ राइन माथि गत माघ २३ वीरेन्द्रबजारमा अज्ञात समूहले गोली प्रहार गरेको थियो। कांग्रेसका अर्का नेता राजेन्द्र यादवको हत्याको अनुसन्धान गरिरहेको नेपाल प्रहरीको केन्द्रिय अनुसन्धान ब्युरोले हत्याको तार पक्राउ परेकाहरु संग जुडेको हुन सक्ने आशंका गरेको छ।

धनुषाका.....

क्षेत्रमा जनचेतनामै कमि देखिएकोले समग्रमा जिल्लाभरिमा २१ प्रतिशतभन्दा बढी बालबालिका विद्यालय बाहिर रहेको यादव दावी गर्नु हुन्छ।

नेपाल सरकारले सबै बालबालिकालाई विद्यालयमा ल्याउन कार्यक्रम ल्याए पनि बाहिर रहेको बालबालिकाको प्रतिशतमा खासै कमी आउन नसक्नुले समग्र निति प्रश्न उठ्न लागेको छ।

साँच्चिकै सबैलाई शिक्षा दिने हो भने आगामी दिनमा वर्तमान नीति माथिनै पुनर्विचार गर्ने हो की ? यसमा सबै सरोकारवालालाई केन्द्रित हुनु पर्छ।

दूधमती पत्रिकाक लेल **सुजीत कुमार झा**द्वारा प्रकाशित एवं सम्पादित तथा क्वालिटी अफसेट प्रिन्टर्स जनकपुरद्वारा मुद्रित। **कार्यालय** : विश्वकर्मा चौक, जनकपुरधाम, Email: doodhmatinews@gmail.com **सल्लाहकार** :सोहन ठाकुर, राधारमण साह रवि, **निर्देशक** : शम्भु प्रसाद शाह प्रेमी आ नागेन्द्र साह।